

सैंडपेपर विवाद : कमिंस पर भड़के डेविड वार्नर, बोले- उन्होंने ख्वाजा को बलि का बकरा बनाया

पर्थ

आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने 2018 के सैंडपेपर विवाद पर कप्तान पैट कमिंस के बयान को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने कमिंस पर उस्मान ख्वाजा को बलि का बकरा बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कप्तान के इस रवैये से उन्हें बेहद निराशा हुई है।

आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पर्थ में खेले जा रहे वनडे मुकाबले के दौरान फाक्स स्पोर्ट्स के लिए कमेंट्री करते हुए वार्नर ने ख्वाजा का समर्थन किया। ख्वाजा की हाल ही में जारी आत्मकथा में केपटाउन टेस्ट में हुए गेंद से छेड़छाड़ विवाद को लेकर किए गए दावों ने एक बार फिर इस पुराने मामले को चर्चा में ला दिया है।

वार्नर ने कहा, पैट कमिंस पूरी तैयारी के साथ आए थे। लेकिन मैं अब भी उज्जी (उस्मान ख्वाजा) और उनकी किताब में लिखी बातों के साथ खड़ा हूं। यह सच

वार्नर ने ख्वाजा के दावों का किया समर्थन, कहा- आठ साल से हम रोजाना भुगत रहे हैं सजा, जांच भी ठीक से नहीं हुई

है और मैं उनका पूरा समर्थन करता हूं। इस समय मुझे उनके लिए वास्तव में बुरा लग रहा है। मुझे लगता है कि आज कप्तान ने उज्जी को बलि का बकरा बना दिया। इससे मैं बहुत, बहुत निराश हूं।

उन्होंने कहा, इस मामले में हम तीनों ने बहुत बड़ी कीमत चुकाई है। मैंने आठ वर्षों तक इस बारे में बात नहीं की। लेकिन आखिरकार हमें हर दिन इसके परिणामों के साथ जीना पड़ता है। हमें ऐसी सजा मिली है, जो जिंदगी भर चलती रहेगी। इसलिए जब दूसरे लोग इस बारे में बात करते हैं कि उन पर इसका क्या असर पड़ा, तो मेरे, स्टीवन और कैमरन के लिए इससे बुरा कुछ नहीं हो सकता। हमें हर दिन मैदान पर उतरना पड़ता है और लोगों की गालियां सुननी पड़ती हैं। हां, हमने अपनी गलती स्वीकार की थी, लेकिन आखिरकार इसकी सबसे बड़ी कीमत मेरी पत्नी और मैंने चुकाई है। उस दौरान हमने अपना बच्चा खो दिया था और जब तक सच को स्वीकार नहीं किया जाता, तब तक यह बात मुझे सबसे ज्यादा तकलीफ देती रहेगी।

वार्नर ने उस समय हुई जांच पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, यह बहुत मुश्किल रहा है, क्योंकि शुरुआत में जिस तरीके से इस मामले को संभाला गया, उससे हमारे लिए वापस जाकर और सबूत देना कठिन हो गया। मुझे लगा कि जांच ठीक से नहीं हुई थी। यह मामला जल्दबाजी में निपटाने के लिए की गई जांच थी।

उन्होंने आगे कहा, हमें दोबारा वहां जाकर अपनी बात रखने का मौका नहीं मिला। टाड ग्रीनबर्ग ने पिछले दिनों इस संभावना को खारिज कर दिया। इसलिए मुझे लगा था कि शायद इस पूरे मामले के बाद पर्दे के पीछे कुछ बातचीत होगी। इससे पहले कमिंस ने ख्वाजा के आरोपों को 100 प्रतिशत गलत और पूरी तरह बकवास बताया था। ख्वाजा ने अपनी नई आत्मकथा में दावा किया है कि 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट के दौरान पूरी आस्ट्रेलियाई टीम को गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी थी, जिसमें कमिंस भी शामिल थे। इस विवाद में शामिल होने के कारण स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर और कैमरन बेनक्राफ्ट पर प्रतिबंध लगाए गए थे। वार्नर के ताजा बयान से स्पष्ट है कि यह मामला उनके लिए आज भी बेहद व्यक्तिगत और भावनात्मक है। उनका मानना है कि इस पूरे प्रकरण और इसकी जांच से जुड़ी परिस्थितियों पर अब तक पर्याप्त और सही तरीके से विचार नहीं किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन, जापान के तनाका को सीधे गेमों में हराया



कुमामोटो। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स 2026 के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली है। आठवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान के युशी तनाका को सीधे गेमों में 21-16, 21-15 से हराया। यह मुकाबला 40 मिनट तक चला। लक्ष्य ने पहले गेम में मध्यांतर तक 11-8 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, तनाका ने वापसी करते हुए मुकाबले को चुनौतीपूर्ण बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने सही समय पर अपना खेल तेज किया और 21-16 से पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और स्कोर 4-4 से बराबर था। इसके बाद लक्ष्य ने बढ़त बनाई और मध्यांतर तक 11-9 से आगे रहे। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए 21-15 से गेम और मुकाबला जीत लिया। लक्ष्य पूरे टूर्नामेंट में शानदार लय में नजर आए हैं। उन्होंने पहले दौर में चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद दूसरे दौर में चीन के डोंग तियान याओ को केवल 35 मिनट में 21-8, 21-14 से शिकस्त दी। सेमीफाइनल में लक्ष्य का सामना अब इंडोनेशिया के एल्वी फरहान से होगा। इससे पहले शुक्रवार को भारत के किदांबी श्रीकांत पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

जापान मास्टर्स : क्वार्टर फाइनल में हारे किदांबी श्रीकांत, वतनबे ने सीधे गेमों में दी मात



कुमामोटो। भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का जापान मास्टर्स में सफर शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। उन्हें जापान के कोकी वतनबे के खिलाफ 22-24, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। मुकाबला 41 मिनट तक चला। पहला गेम बेहद रोमांचक रहा और दोनों खिलाड़ियों के बीच 20 अंकों के बाद भी कड़ा मुकाबला जारी रहा। घरेलू दर्शकों के समर्थन से खेल रहे वतनबे ने दबाव के क्षणों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 24-22 से पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में श्रीकांत ने शानदार शुरुआत की और मध्यांतर तक 11-5 की बढ़त बना ली। इसके बाद भी वह 14-9 से आगे थे, लेकिन वतनबे ने जबरदस्त वापसी की। जापानी खिलाड़ी ने 14-9 से पिछड़ने के बाद अगले 13 में से 12 अंक जीतकर गेम 21-15 से अपने नाम कर लिया। इस तरह उन्होंने सीधे गेमों में मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। हार के बावजूद श्रीकांत के लिए यह टूर्नामेंट कुल मिलाकर अच्छा रहा। इससे पहले उन्होंने पांचवीं वरीयता प्राप्त और घरेलू पसंदीदा खिलाड़ी कोडाई नाराओका को पांचवीं भिड़ंत में पहली बार हराया था। श्रीकांत ने नाराओका के खिलाफ 21-15, 11-21, 21-18 से जीत दर्ज की थी। दूसरे गेम में बड़ी हार के बाद उन्होंने निर्णायक गेम में वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया था।

भोपाल में 19 नवंबर से होगी महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी

भोपाल। आगामी 19 नवंबर से भोपाल में होने वाली महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी-2026 की तैयारियां तेज हो गई हैं। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को टीटी नगर स्थित मेजर ध्यानचंद हॉल में शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों के साथ बैठक की। इसमें प्रतियोगिता के प्रचार-प्रसार, युवाओं की सहभागिता और आयोजन को जन-उत्सव बनाने पर चर्चा हुई।

मंत्री सारंग ने कहा कि यह प्रतियोगिता भोपाल की खेल परंपरा और मध्यप्रदेश की खेल क्षमताओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर है। नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर के हॉकी मैदान को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) से कैटेगरी-1 प्रमाणपत्र मिला है। हैदराबाद के बाद भोपाल देश का दूसरा शहर है, जहां इस श्रेणी का प्रमाणित हॉकी मैदान है।

19 नवंबर से इसी मैदान पर होने वाली प्रतियोगिता में छह देशों की महिला हॉकी टीमें हिस्सा लेंगी। मंत्री ने कहा कि प्रदेश की खेल रैंकिंग 17वें स्थान से सुधरकर तीसरे स्थान पर पहुंची है। सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में खेल परिसर विकसित कर रही है, ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

उन्होंने शिक्षण संस्थानों से विद्यार्थियों को प्रतियोगिता से जोड़ने और अधिक से अधिक युवाओं को स्टेडियम तक लाने की अपील की। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखकर युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरणा मिलेगी। खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिलेगा तथा युवा नशे से दूर रहेंगे।

एशियाई चैंपियंस ट्राफी से पहले भारतीय महिला हाकी टीम में मजबूत बेंच तैयार करने पर शोर्ड मारिन का जोर

मुख्य कोच बोले- खिलाड़ियों को अलग-अलग पोजिशन पर खेलने के लिए तैयार करना है लक्ष्य, युवा प्रतिभाओं को भी मिलेगा मौका



नई दिल्ली

भारतीय महिला हाकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन का लक्ष्य आगामी मध्य प्रदेश महिला एशियाई चैंपियंस ट्राफी भोपाल 2026 से पहले टीम में अधिक गहराई, बहुमुखी प्रतिभा और प्रतिस्पर्धा विकसित करना है। तीन बार की चैंपियन भारतीय टीम 19 से 28 नवंबर तक भोपाल में होने वाले इस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करेगी। उसे चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और मलेशिया की चुनौती का सामना करना है।

जापान में एशियाई खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारतीय टीम एक और महत्वपूर्ण प्रतियोगिता की तैयारी में जुटी है। इस दौरान खिलाड़ियों को अलग-अलग पोजिशन पर खेलने के लिए तैयार करने और उभरती प्रतिभाओं को खुद को साबित करने का अवसर देने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

हाकी इंडिया को दिए साक्षात्कार में मारिन ने कहा कि टीम का मुख्य ध्यान अपने खेल में सुधार करने और अभ्यास के दौरान हासिल की गई प्रगति को प्रतियोगिता के दबाव में भी बरकरार रखने पर है।

राष्ट्रीय शिविर में किए गए काम के बारे में पूछे जाने पर मारिन ने कहा, हम टीम में अधिक गहराई तैयार करने में जुटे हैं, जिससे अभ्यास सत्र भी ज्यादा प्रतिस्पर्धी बन रहे हैं। खिलाड़ी भी इस बात को समझते हैं। इसलिए वे अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही हैं और बहुत मेहनत कर रही हैं।

भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में नए स्टेडियम और नई पिच पर खेलने की चुनौती को लेकर उन्होंने कहा, यह सिर्फ परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की बात है। हम पूरे साल अलग-अलग पिचों पर खेलते हैं और यह भी वैसा ही बदलाव होगा। एशियाई खेलों में पिच काफी कठिन और ऊबड़-खाबड़ थी। इसलिए हम इसे लेकर ज्यादा चिंतित नहीं हैं। विरोधी टीमों को भी इन्हीं परिस्थितियों से गुजरना होगा। इसलिए यह हमारी चिंता का विषय नहीं है।

टूर्नामेंट में खिलाड़ियों को अलग-अलग पोजिशन पर आजमाने की योजना पर मारिन्ने ने कहा, इसका उद्देश्य टीम में अधिक गहराई तैयार करना है। हम चाहते हैं कि खिलाड़ी अलग-अलग पोजिशन पर खेल सकें। अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाती है, विशेषकर ओलंपिक जैसे टूर्नामेंट में, तो यह काफी मददगार साबित होता है। साथ ही खिलाड़ियों के विकास के लिए भी यह बहुत उपयोगी है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, ईशिका सामान्य तौर पर स्ट्राइकर के रूप में खेलती हैं, लेकिन अब कभी-कभी मिडफील्डर की भूमिका भी निभा रही हैं। रुतुजा (दादासो पिसाल) के साथ भी ऐसा ही है। उन्हें दूसरी पोजिशन पर खेलने के लिए खुद को ढालना सीखना होगा। हम देखना चाहते हैं कि इससे हमारी खेल रणनीति और टीम में किए जाने वाले सुधारों को कितनी मदद मिलती है।

मारिन ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को भी इस टूर्नामेंट में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा, पूजा (साहू) जैसी युवा खिलाड़ी को मौका मिलेगा। ज्योति सिंह पहली बार टीम के साथ होंगी और मुमताज भी लंबे समय बाद वापसी कर रही हैं। मुझे लगता है कि इन सभी के लिए यह अपनी क्षमता दिखाने का अच्छा मंच है।

एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद चीन सहित उन्हीं मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने की चुनौती पर मारिन ने कहा, आप कभी नहीं जानते कि दूसरी टीमें किस तरह की टीम लेकर टूर्नामेंट में आएंगी। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात वही है, जिस पर मैं पूरे साल जोर देता रहा हूं और इस टूर्नामेंट में भी हमारा ध्यान उसी पर रहेगा। हमें खुद पर ध्यान देना है, यह देखना है कि एशियाई खेलों के बाद हमें किन क्षेत्रों में सुधार करना है और हम क्या बेहतर कर सकते हैं। हमारा मुख्य ध्यान इसी पर है। इसके बाद विरोधी टीम कोई भी हो, इससे फर्क नहीं पड़ता।

उन्होंने आगे कहा, हमने बेंगलुरु के शिविर में इन पहलुओं पर काम किया है और अब समय है कि देखा जाए कि खिलाड़ी टूर्नामेंट के दबाव में कैसा प्रदर्शन करती हैं। आगामी एफआईएच प्रो लीग को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों की तैयारी पर मारिन ने कहा कि दिसंबर और जनवरी में होने वाले टूर्नामेंट के कार्यक्रम के आधार पर आगे की योजना बनाई जाएगी।

उन्होंने कहा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि खिलाड़ी दिसंबर और जनवरी में कौन से टूर्नामेंट खेलेंगी। मैं चाहता हूं कि वे मानसिक और शारीरिक रूप से तरोताजा रहें, उन्हें पर्याप्त आराम मिले, लेकिन वे तैयार भी रहें। हाकी इंडिया लीग जैसे टूर्नामेंट के बाद छोटे ब्रेक के तुरंत बाद फरवरी में अर्जेंटीना और जर्मनी के खिलाफ खेलना आसान नहीं होगा।

ऋषभ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड रवाना हुए



बेंगलूर

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड रवाना हो गये हैं। ऋषभ अब तक यहां बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस हासिल करने में लगे थे। गत दिवस ही उन्हें सीओई ने फिटनेस क्लियरेंस दिया। जिसके बाद ही उनके टेस्ट सीरीज में खेलने का रास्त साफ हुआ। ऋषभ के फिट होने से भारतीय टीम को राहत मिली है क्योंकि विदेशी मैदानों पर उनका काफी अच्छा रिकार्ड रहा है।

वह अगस्त से ही भारतीय टीम से बाहर थे। इस कारण साइड स्ट्रेन की समस्या होना है। अक्टूबर में खेले गए ईरानी कप के मैच में उन्हें एक और चोट लगी थी, जिसके कारण उन्हें न्यूजीलैंड ए के खिलाफ अनआफिशियल टेस्ट मैचों के लिए इंडिया ए स्क्वाड से बाहर कर दिया गया था। इन बाधाओं के बावजूद, ऋषभ ने सेंटर आफ एक्सीलेंस में 23 अक्टूबर से दो सप्ताह से अधिक समय तक रहकर अपनी फिटनेस पर काम किया। इस दौरान वह कई मैच सिम्यूलेशन प्रक्रियाओं से गुजरे, जो किसी भी खिलाड़ी की गेम फिटनेस को परखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती हैं। इन सभी प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पूरा कर अपनी वापसी हुई है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज 19 नवंबर से होना है, और इस अनभवी विकेटकपर के टीम से जुड़ने से शुभमन गिल की टीम को लाभ हुआ है। इसका कारण है कि वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कौशल से किसी भी मैच का रुख पलट सकते हैं।

हालांकि, उनकी वापसी के साथ ही टीम प्रबंधन के सामने विकेटकीपिंग स्लाट को लेकर एक दिलचस्प चुनौती खड़ी हो गई है। टीम में केएल राहुल और युवा ध्रुव जुरेल के रूप में दो अन्य विकेटकीपिर पहले से ही उपलब्ध हैं। केएल राहुल जहां टीम के लिए ओपनिंग करते हैं और उनकी बल्लेबाजी फार्म शानदार रही है, वहीं जुरेल ने हालिया अनआफिशियल टेस्ट सीरीज में प्रभावित है। यह देखना दिलचस्प होगा कि अंतिम ग्यारह में उनके , राहुल और जुरेल में से किस खिलाड़ी को जगह मिलती है।

टेस्ट सीरीज के लिए कप्तान शुभमन गिल सहित प्रमुख खिलाड़ियों ने अभ्यास शुरु कर दिया है। कप्तान शुभमन गिल के साथ-साथ केएल राहुल और अंशुल कंबोज जैसे प्रमुख खिलाड़ी इसी कारण अंतिम दो एकदिवसीय मैचों से बाहर हैं।

अर्शदीप और माडल समरीन की सगाई : एक नए सफर की शुरुआत



वैलिंगटन। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप ने अभिनेत्री और माडल समरीन कौर के साथ सगाई की है। से दोनो ही लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। अब इस जोड़े ने अपनी जिंदगी के इस नए अध्याय की शुरुआत कर दी है, जिसपर प्रशंसकों ने इन दोनो को बधाइयां दी हैं। इस जोड़े ने अपने प्रशंसकों के साथ ही सोशल मीडिया पर भी कुछ तस्वीरें साझा की हैं, इसमें अर्शदीप घुटनों के बल बैठकर समरीन को शादी के लिए प्रपोज करते नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में समरीन की शानदार हीरे की अंगूठी भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है, जिसे उन्होंने खुशी-खुशी स्वीकार किया। इस खूबसूरत पल का जश्न दोनो ने एक-दूसरे को गले लगाकर मनाया, जो उनके गहरे प्यार और साथ की मजबूत नींव को दर्शाता है। अपनी पोस्ट के साथ ही इस जोड़े ने लिखा था, जिंदगी हमें जो कुछ भी दे सकती थी, उनमें से सबसे अच्छी बात यह है कि उसने हमें एक-दूसरे से मिलाया। जीवन भर साथ रहने के लिए। जैसे ही यह खबर सोशल मीडिया पर साझा की गई, इस जोड़े को बधाई संदेश मिलने शुरू हो गए। प्रशंसकों और दोस्तों ने उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

बुडापेस्ट फास्ट क्लासिक में कारुआना और नीमन की लगातार दो जीत, असौबायेवा ने एरिगैसी को हराया

दूसरे दिन 24 में से 13 बाजियों के निकले निर्णायक परिणाम, अलीरेजा फिरोजा ग्रुप ए और फैबियानो कारुआना ग्रुप बी में शीर्ष पर



बुडापेस्ट

अमेरिका के फैबियानो कारुआना और हंस मोके नीमन ने बुडापेस्ट में जारी टोटल चेस विश्व चैंपियनशिप टूर पायलट के फास्ट क्लासिक ग्रुप चरण के दूसरे दिन अपनी दोनों बाजियां जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। वहीं, उज्बेकिस्तान की बिबिसारा असौबायेवा ने भारत के अर्जुन एरिगैसी को हराकर दिन का बड़ा उलटफेर किया।

दूसरे दिन तीसरे और चौथे दौर में कुल 24 में से 13 बाजियों के निर्णायक परिणाम निकले। पहले दिन की तुलना में यह तीन अधिक था। प्रतियोगिता के इस प्रारूप में प्रत्येक खिलाड़ी को एक ही प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ दो बाजियां खेलनी होती हैं, जिनमें रंग बदल जाते हैं। जीत पर तीन अंक और ड्रा पर एक अंक दिए जाते हैं। दोनों बाजियां जीतने के कारण कारुआना और नीमन ने छह-छह अंक हासिल किए।

ग्रुप ए में अलीरेजा फिरोजा आठ अंकों के साथ अकेले शीर्ष पर पहुंच गए हैं। ग्रुप बी में कारुआना 10 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं। ग्रुप सी में इयान नेपोमनियाची और हाइक मार्टिरोस्यान छह-छह अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। ग्रुप डी में नीमन ने मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ आठ अंकों पर बराबरी कर ली है।

ग्रुप ए : फिरोजा ने बनाई बढ़त - ग्रुप ए में अलीरेजा फिरोजा ने जार्डन वान फारेस्ट के खिलाफ सफेद मोहरों से लंबी बाजी जीत ली, जबकि दूसरी बाजी ड्रा रही। इस प्रदर्शन से फिरोजा को चार अंक मिले और वह कुल आठ अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए। जान-क्रिस्टोफ डूडा उनसे एक अंक पीछे हैं। डूडा और नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के बीच दोनों बाजियों में जीत का आदान-प्रदान हुआ। डूडा ने पहली बाजी जीती, जो दिन की सबसे लंबी बाजी रही। इसके बाद अब्दुसत्तोरोव ने दूसरी बाजी जीतकर हिसाब बराबर कर लिया। दोनों को तीन-तीन अंक मिले। डूडा के सात और अब्दुसत्तोरोव के चार अंक हैं। लेवोन एरोनियन और एंड्रयू होंग के बीच दोनों बाजियां ड्रा रहीं। एरोनियन के पांच और होंग के तीन अंक हो गए हैं। वान फारेस्ट के खाते में चार अंक हैं।

ग्रुप बी : कारुआना की दोहरी जीत - ग्रुप बी में फैबियानो कारुआना ने आर. प्रज्ञानानंद के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। सफेद मोहरों से खेलते हुए कारुआना ने एक मोहरा बलिदान कर काले मोहरों से खेल रहे प्रतिद्वंद्वी की रक्षा को कमजोर किया और आसानी से जीत हासिल की। इसके बाद उन्होंने काले मोहरों से भी दूसरी बाजी जीत ली। दोनों जीत से कारुआना के कुल 10 अंक हो गए हैं और उन्होंने दूसरे स्थान पर मौजूद लियेम ले पर दो अंकों की बढ़त बना ली है। लियेम ले ने विंसेंट कीमर के खिलाफ एक जीत और एक ड्रा के साथ चार अंक हासिल किए। उन्होंने सफेद मोहरों से कड़े मुकाबले में जीत दर्ज की। ले के आठ अंक हैं, जबकि कीमर तीन अंकों पर हैं। रिचर्ड रापोर्ट और व्लादिस्लाव आर्टेमिएव के बीच दोनों बाजियां ड्रा रहीं। दोनों के तीन-तीन अंक हैं। प्रज्ञानानंद दो अंकों पर बने हुए हैं।

ग्रुप सी : मार्टिरोस्यान ने की वापसी, कार्लसन की चौथी बाजी भी ड्रा - ग्रुप सी में हाइक मार्टिरोस्यान ने अनिश गिरि के खिलाफ पहली बाजी गंवाने के बाद शानदार वापसी की। गिरि ने सफेद मोहरों से खेलते हुए महज 26 चालों में जीत हासिल की, लेकिन मार्टिरोस्यान ने वापसी की बाजी सफेद मोहरों से जीत ली। इस तरह मार्टिरोस्यान के छह अंक हो गए और वह इयान नेपोमनियाची के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए। गिरि के पांच अंक हैं। नेपोमनियाची और शाखरियार मामेद्यारोव के बीच दोनों बाजियां ड्रा रहीं। दोनों खिलाड़ियों को दो-दो अंक मिले और मामेद्यारोव के कुल पांच अंक हो गए।

केकेआर की कप्तानी के लिए रिंकू सिंह का नाम आगे लाए आकाश चोपड़ा, बोले- विदेशी खिलाड़ी से बेहतर विकल्प

नई दिल्ली

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को पिछले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र में प्लेआफ में जगह नहीं मिली थी। अब पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे के संन्यास के बाद फ्रेंचाइजी के सामने आईपीएल 2027 से पहले कई अहम फैसले लेने की चुनौती है। इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने रिंकू सिंह को टीम की कप्तानी सौंपने की सलाह दी है। उनका मानना है कि यदि नीलामी में कोई उपयुक्त विकल्प नहीं मिलता है, तो विदेशी खिलाड़ी की बजाय रिंकू को कप्तान बनाया जाना चाहिए।

जियोस्टार के कार्यक्रम गेम प्लान में आकाश चोपड़ा और अभिनव मुकुंद ने केकेआर की संभावित रिटेंशन और रिलीज रणनीति पर चर्चा की। इसमें कैमरन ग्रीन, मथीशा पथिराना और रिंकू सिंह सहित कई खिलाड़ियों के भविष्य पर विचार किया गया।

आकाश चोपड़ा ने पिछले सत्र की नीलामी में महंगी कीमत पर खरीदे गए कैमरन ग्रीन और मथीशा पथिराना को रिलीज करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, मैं 25.2 करोड़ रुपये में खरीदे गए कैमरन ग्रीन को रिलीज करने के पक्ष में हूं। यह विश्व कप और एशेज का साल है, इसलिए मुझे उनकी उपलब्धता और वह कितने मैच खेल पाएंगे, इसे लेकर भरोसा नहीं है। अगर आप उन्हें रिलीज करते हैं और दोबारा खरीदना भी चाहते हैं, तो उन्हें 50 प्रतिशत कम कीमत पर आसानी से हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा, मथीशा पथिराना भी नहीं खेल रहे हैं, इसलिए यह 18 करोड़ रुपये का एक और निवेश है। केकेआर इस नीलामी में सबसे ज्यादा पैसे के साथ उतर सकती है और यही



सबसे बड़ी चर्चा होगी। मुस्तफिजुर रहमान को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। अगर वह उपलब्ध हैं और खेल सकते हैं, तो आप उन्हें टीम में बनाए रखना चाहेंगे। लेकिन क्या वह खेल पाएंगे, यह हमें नहीं पता। अगर वह खेल सकते हैं, तो मैं उन्हें जरूर रिटेन करूंगा, क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों को रिलीज करने से आपके पास पहले ही 43 करोड़ रुपये अतिरिक्त हो जाएंगे।

रिंकू सिंह को कप्तानी सौंपने के सवाल पर चोपड़ा ने कहा, रिंकू को कप्तान बना दीजिए। आपने उन्हें उपकप्तान बनाया था, है ना तो अब उन्हें कप्तान बना दीजिए। वह यूपी टी20 लीग में अपनी टीम की कप्तानी करते हैं। कभी-कभी आपको खिलाड़ियों को बड़ी जिम्मेदारी देकर गहरे पानी में उतारना पड़ता है और देखना होता है कि वे कैसा प्रदर्शन करते हैं। यह वैसा ही मौका है, बशर्ते नीलामी में आपको कोई दूसरा उपयुक्त खिलाड़ी न मिल जाए। अगर कोई और विकल्प नहीं मिलता है, तो विदेशी खिलाड़ियों की तरफ देखने के बजाय मैं वास्तव में रिंकू को कप्तानी सौंपना पसंद करूंगा।

चोपड़ा ने रमनदीप सिंह और उमरान मलिक के भविष्य पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत रूप से मैं चार करोड़ रुपये के रमनदीप सिंह को लेकर थोड़ा चिंतित हूं। उनका बिल्कुल इस्तेमाल नहीं हो रहा है और यह मेरे लिए चिंता का विषय है। अगर मैं उन्हें खिलाने वाला नहीं हूं और वह अच्छा प्रदर्शन भी नहीं कर रहे हैं, तो क्या मुझे किसी दूसरे विकल्प की तरफ जाना चाहिए मुझे पता है कि यह सिर्फ चार करोड़ रुपये हैं, लेकिन इस पैसे का बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है। उमरान मलिक पर उन्होंने कहा, एक अन्य खिलाड़ी उमरान मलिक हैं। क्या केकेआर उन्हें रिलीज करेगी उनकी कीमत केवल 75 लाख रुपये है, लेकिन उन्हें खिलाया नहीं जा रहा है। अगर आप उन्हें मौका नहीं दे रहे हैं, तो उमरान के हित में मैं कहूंगा कि उन्हें रिलीज कर दीजिए। इस लड़के के लिए आपको बुरा लगता है, क्योंकि उनमें काफी क्षमता है। फिर उन्हें बेंच पर क्यों बैठाए रखना अगर आप उन्हें नहीं खिला सकते और हर्षित उपलब्ध हैं, तो इस खिलाड़ी को जाने दीजिए और कहीं दूसरी जगह खेलने दीजिए।